बाबा की चिट्ठी | By Vijay Garg

बाबा की चिट्ठी आई संदेसा ये है लाइ
मिलने को तड़पे वो भी प्रेमी की याद सताई
बाबा की चिट्ठी आई .....

पहले तो सबको जय श्री श्याम लिखा है
खबरे पूछी जी का हाल लिखा है
अब मिलना जल्दी होगा कहके ये धीर बंधाई
मिलने को तड़पे वो भी प्रेमी की याद सताई
बाबा की चिट्ठी आई .....

कैसान नज़ारा होगा अब खाटू धाम में
जी भर के बातें होंगी आमने सामने
घड़ियाँ भी कम पड़ जाएँ बातें हैं इतनी सारी
मिलने को तड़पे वो भी प्रेमी की याद सताई
बाबा की चिट्ठी आई .....

लाडो फिर कीर्तन होगा ग्यारस की रात का
जैकारा खूब लगेगा बाबा के नाम का
इस दिन की ही चाहत में कितनी हैं रात बिताई
मिलने को तड़पे वो भी प्रेमी की याद सताई
बाबा की चिट्ठी आई .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%9a%e0%a4%bf%e0%a4%9f%e0%a5%8d%e0%a4%a0%e0%a5%80-by-vijay-garg/